Index

UNIT - 1

प्रश्न 1 - डी.टी.पी. क्या है? डी.टी.पी. के लाभ और उपयोग लिखिए|

प्रश्न 2 - वर्ड प्रोसेसिंग और डेस्कटॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर में अंतर लिखिए|

प्रश्न 3 – डी.टी.पी. में प्रयोग होने वाले विभिन्न प्रकार के पैकेज को समझाइए|

प्रश्न 4 - ऑफसेट प्रिंटिंग क्या हैं ? इसकी कार्यप्रणाली को समझाइए|

प्रश्न 5 - लेजर प्रिंटर क्या हैं? इसकी कार्यप्रणाली और प्रकार समझाइए|

UNIT – 2

प्रश्न 6 - एडोब पेजमेकर 7.0 का परिचय और उसकी विशेषताए लिखिए|

प्रश्न 7 - पेजमेकर 7.0 के टूल बॉक्स को समझाइए|

प्रश्न 8 - पेजमेकर 7.0 में डॉक्यूमेंट इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट कैसे करें|

प्रश्न 9 - पेजमेकर में स्टोरी एडिटर क्या हैं?

प्रश्न 10 - पेजमेकर 7.0 में फाइंड और रिप्लेस विकल्प का प्रयोग कैसे करें|

UNIT -3

प्रश्न 11 – ओब्जेक्टिंग लिंकिंग एम्बडिंग क्या हैं?

प्रश्न 12 – पेजमेकर में मास्टर पेज को समझाइए|

प्रश्न 13 – न्यूज़ पेपर फ़ॉर्मेटिंग को समझाइए|

प्रश्न 14 - पेजमेकर में डॉक्यूमेंट को प्रिंट कैसे करते हैं तथा विभिन्न प्रिंट विकल्प को समझाइए|

प्रश्न 15 – पेजमेकर में कॉलम इन्सर्ट करने की प्रक्रिया को समझाइए|

ComputerHindiNotes.com

UNIT – 4

प्रश्न 16 - फोटोशॉप का परिचय तथा इसकी विशेषताए लिखिए|

प्रश्न 17 - ग्राफिक फाईल क्या है वेक्टर फाइल और रास्टर फाइल क्या हैं इनमे अंतर लिखिए|

प्रश्न 18 – फोटोशॉप में कलर मोड क्या हैं? यह कितने प्रकार के होते हैं|

प्रश्न 19 – फोटोशॉप में नयी इमेज बनाने की प्रक्रिया समझाइए|

प्रश्न 20 – फोटोशॉप में प्रयोग होने वाले विभिन्न फाइल एक्सटेंशन को समझाइए|

UNIT – 5

प्रश्न 21 - फोटोशॉप के वर्क एरिया को समझाइए|

प्रश्न 22 – फोटोशॉप में इमेज को Open, Save और Close कैसे करेगें|

प्रश्न 23 - लेयर क्या हैं? लेयर के साथ कौन कौन से काम किये जा सकते हैं|

प्रश्न 24 - फोटोशॉप के विभिन्न टूल्स को समझाइए|

प्रश्न 25 - फोटोशॉप के फ़िल्टर विकल्प को समझाइए|

ComputerHindiNotes.com

UNIT - 1

प्रश्न 1 - डी.टी.पी. क्या है? डी.टी.पी. के लाभ और उपयोग लिखिए|

उत्तर - डेस्कटॉप पब्लिशिंग का शाब्दिक अर्थ हैं अपनी मेज पर रखे उपकरणों द्वारा प्रकाशन का कार्य करना। इसके लिए हम कम्प्यूटर और उससे जुड़े उपकरणों का प्रयोग टेक्स्ट तैयार (Compose) करने हेतु करते हैं। यह इलेक्ट्रॉनिक डाक्यूमेंट्स और प्रेजेंटेशन को बनाने के लिए कंप्यूटर एप्लीकेशन, डिजिटल ग्राफ़िक्स और मल्टीमीडिया फॉर्मेट का उपयोग करता है |

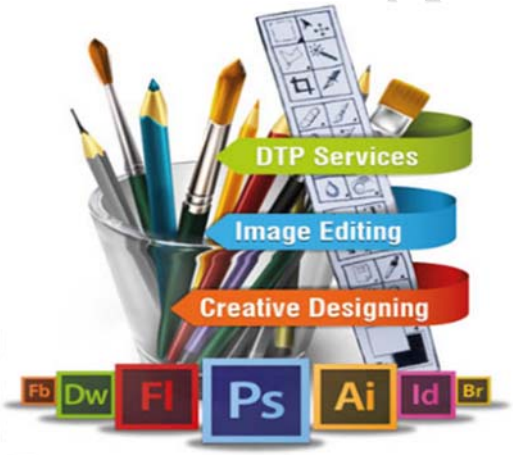

डेस्कटॉप पब्लिशिंग के द्वारा हम डिजिटल पेज बना सकते है,जो की कंप्यूटर/मोबाइल में देखने के लिए होते है ,साथ ही वर्चुअल पेज जो भौतिक प्रारूप (Physical format) यानि प्रिंट पेज पर ट्रान्सफर होते है | डेस्कटॉप कम्प्यूटर की सहायता से पूरी तरह छापने योग्य दस्तावेज तैयार करना ही डेस्कटॉप पब्लिशिंग कहा जाता है, इसके लिये कई प्रकार के प्रोग्राम उपलब्ध है, जिनके द्वारा आप टुकडो मे बंटी हुई सूचनाओ और सामाग्री को आपस मे जोडकर एक संपूर्ण दस्तावेज बना सकते है।

डी.टी.पी. के लाभ (Advantages of DTP)

कम्प्यूटर पर आधारित डेक्स टॉप पब्लिशिंग प्रणाली के निम्न लाभ हैं-

गति (Speed) :- पुरानी पद्धति की तुलना मे इस प्रणाली में काम बहुत अधिक तेजी से किया जा सकता हैं। इसमें ना सिर्फ नये काम बना सकते हैं, अपितु पहले बनाये गये काम को भी तेजी से सुधार सकते हैं। इसमे टेक्स्ट फॉर्मेटिंग, फोटो में बदलाव करना आदि काम बहुत तेजी से किये जा सकते हैं।

बदलाव (Changes) :- इस प्रणाली में बनाये गये डॉक्यूमेंट या फाइल में आसानी से सुधार एवं बदलाव कर सकते हैं। इसमें विभिन्न कामों को स्टोर कर सकते हैं, जिससे उसे किसी भी समय खोल कर उसमें बदलाव कर सके इस प्रणाली में आप मूल डिजाइन को वैसे ही रखते हुए नये बदलाव भी कर सकते हैं। सभी डेक्स टॉप पब्लिकेशन पैकेज मे आपके द्वारा किये गये बदलाव स्क्रीन पर दिखते हैं। आधुनिक इंटरनेट के युग में आप दूरस्थ (remote location) कम्प्यूटर की डिजाइन में भी बदलाव कर सकते हैं।

ComputerHindi

पेज सजावट (Page Formatting) :- डेक्स टॉप पब्लिकेशन के बहुत से सॉफ्टवेयर में विभिन्न पेज लेआउट दिये है, तथा बहुत से पेज फ़ॉर्मेटिंग के टूल हैं। कम्प्यूटर मे विभिन्न प्रकार के टेक्स्ट के प्रकार, जिन्हें हम font कहते हैं, उपलब्ध रहते हैं। इसमें विभिन्न प्रकार की बार्डर, क्लिप आर्ट पिक्चर, सिम्बल आदि उपलब्ध हैं, उनकी सहायता से बहूत अच्छे तरीके से पेज की फॉरमेटिंग कर सकते हैं।

कम लागत (Low cost) :- पुराने समय में किसी किताब की कंपोजिंग करने के लिये बहुत अधिक समय लगता था, तथा उसमें बहुत से कुशल व्यक्तियों की आवश्यकता होती थी। यदि किसी काम में चित्र या पिक्चर डालना हो तब कुशल कलाकार की आवश्यकता होती थी। परन्तु आज किसी भी काम को डीटीपी पैकेज की सहायता से बड़ी किताब की भी कंपोजिंग बहुत जल्दी एवं अच्छी तरीके से की जा सकता हैं। डीटीपी पैकेज के कारण कंपोजिंग की लागत बहुत कम हो गई हैं।

विभिन्न टूल (Various tool):- लगभग सभी डीटीपी पैकेजों में spell check, index, find and replace आदि टूल होते हैं इन टूल की सहायता से कार्य त्रुटि रहित एवं आसान हो गया हैं। यदि किसी व्यक्ति को किसी भाषा की बहुत अधिक जानकारी नही है, तब वह कंपोजिंग का कार्य कर सकता हैं। वर्तमान में कुछ सॉफ्टवेयर में अनुवाद (translation) की भी सुविधा दी गई हैं।

फान्ट कर्निंग (Font Kerning) :- अंग्रेजी भाषा में जब कोई टेक्स्ट टाइप करते हैं, तब उनके कैरेक्टर के बीच की दूरी अलग अलग रहती हैं। यह दूरी उन दो कैरेक्टर के shape पर निर्भर होती हैं। उदाहरण के लिए “TODAY” इस शब्द में “A” और “Y” के बीच अधिक दूरी हैं। इस प्रकार कैरेक्टर की दूरी अलग अलग होती हैं। फान्ट कर्निंग सुविधा से हम कैरेक्टर की दूरी सेट कर सकते हैं। इससे टेक्स्ट डाटा अच्छा एवं पढ़ने में सरल हो जाता हैं।

डेक्स टॉप पब्लिकेशन के उपयोग (Uses of DTP)

वर्तमान प्रिन्टिंग तकनीक हमारे जीवन से बहूत गहराई से जुडी हुई हैं। हम रोज विभिन्न प्रिन्ट सामग्री का उपयोग करते हैं। समाचार पत्र, पत्र, बिल आदि विभिन्न प्रिन्ट माध्यम से हम जुडे होते हैं। इन सभी प्रिन्ट की हुई वस्तुओं की डिजाइन बनाने का काम डीटीपी सॉफ्टवेयर में होता हैं। डीटीपी सॉफ्टवेयर की सहायता से सभी प्रकार के दस्तावेज की डिजाइन बनाई जा सकती हैं। प्रत्येक प्रकार के दस्तावेज का ले आउट अलग अलग होता हैं। जैसे किताब का पेज का आकार अलग होता हैं, ब्राउशर के पेज का आकार अलग होता हैं। साधारणत: निम्न दस्तावेज की डिजाइन बनाई जाती हैं।

ComputerHindiNotes.com